Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding immediate resolution of Farmer's issue.

श्री मलूक नागर (बिजनौर): महोदय, इस समय देश का किसान बहुत परेशान और भ्रमित है। कुछ लोग खबर इधर को फैला रहे हैं, कुछ लोग खबर उधर को फैला रहे हैं, अल्टीमेटली किसान सफर कर रहा है। मैं आपके माध्यम से चाहता हूं कि सरकार सहानुभूतिपूर्वक इस पर निर्णय ले और जल्द से जल्द, ताकि किसान ठीक हो सकें। हमारे देश और उसके किसानों की छवि विश्व स्तर पर ठीक हो सके। अगर डिसीजन नहीं हो पा रहा है, तालमेल नहीं बैठ पा रहा है तो जो सरकार डेढ़ साल कह रही है, उसे तीन साल के लिए पेंडिंग डाल दें। तीन साल में मुझे उम्मीद है कि झूठ और सच सब साफ हो जाएगा और जो भी फैसला सरकार लेगी, वह अच्छा रहेगा। मैं एक मिनट में अपनी बात खत्म कर रहा हूं। जान-बूझकर के कुछ खास लोग एक चर्चा फैला रहे हैं कि इसमें जाट समाज के लोग हैं। मैं कहना चाहता हूं कि इसमें केवल जाट ही नहीं, गुर्जर, पाल, सैनी, दलित, अकलियत के लोग भी हैं और सरदार भी हैं। सभी समाज के लोग हैं और सहानुभूतिपूर्वक अगर इसका निबटारा कर लें तो देश के लिए और किसानों के लिए बहुत अच्छा रहेगा। पूरे संसार में हमारे देश का और प्रधानमंत्री जी का एक बढ़िया मैसेज जाएगा।

श्रीमती संगीता आजाद (लालगंज): सर, हम मलूक नागर जी की बात से क्लब करते हैं।

माननीय अध्यक्ष : थैंक्यू। आपने क्लब कर दिया है।

श्री राजू बिष्ट।

श्रीमती संगीता आजाद: सर, मेरा ज़ीरो ऑवर का विषय अलग है, उसे तो सुन लीजिए। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: बोलिए।

…(व्यवधान)